

कोई उपान्त नहीं आता। अतः प्राचीन का प्राचीन
पत्र आचार्य विवेकाकर्ण अक्षय हाजरी अक्षय पैरवी
में खादीय किण्व कागज की प्रजावली फैलल शुभ
होकर नम्बर १० का होकर अक्षय दाखिल हो

(राजवीर सिंह यादव)
उपखण्ड अधिकारी
नीमकाथाना (प्र)